विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- पंचम, विषय- हिंदी

दिनांक-12-12-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

गृहकार्य-

दिए गए कविता याद करें।

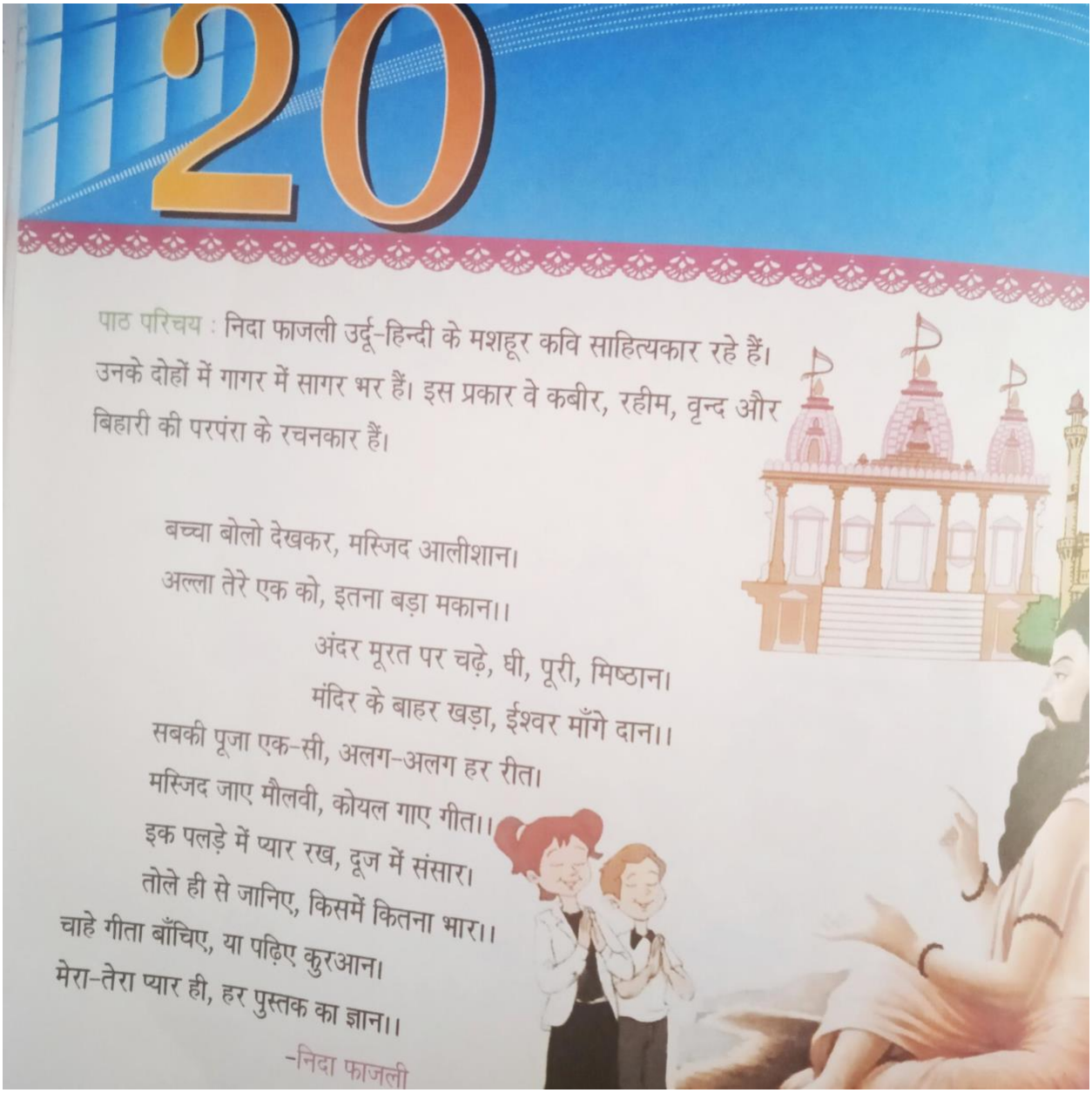

20

पाठ परिचय : निदा फाजली उर्दू-हिन्दी के मशहूर कवि साहित्यकार रहे हैं। उनके दोहों में गागर में सागर भर हैं। इस प्रकार वे कबीर, रहीम, वृन्द और बिहारी की परपंरा के रचनकार हैं।

बच्चा बोलो देखकर, मस्जिद आलीशान।
अल्ला तेरे एक को, इतना बड़ा मकान।।

अंदर मूरत पर चढ़े, घी, पूरी, मिष्ठान।
मंदिर के बाहर खड़ा, ईश्वर माँगे दान।।

सबकी पूजा एक-सी, अलग-अलग हर रीत।
मस्जिद जाए मौलवी, कोयल गाए गीत।।

इक पलड़े में प्यार रख, दूज में संसार।
तोले ही से जानिए, किसमें कितना भार।।

चाहे गीता बाँचिए, या पढ़िए कुरआन।
मेरा-तेरा प्यार ही, हर पुस्तक का ज्ञान।।

-निदा फाजली